KERALA PUBLIC SCHOOL

ASSIGNMENT – 2 (2021-22)

STD : VIII SUB : HINDI

विलोम शब्द (1- 15)

1) नीचे दिए गए वाक्यों की पूर्ति रंगीन शब्दों के विलोम शब्द द्वारा कीजिये ।
   क) मनुष्य को जीवन में यश एवं _____ दोनों का सामना करना पड़ता है।
   ख) समुद्र मंथन में अमृत के साथ-साथ _____ की भी प्राप्ति हुई थी।
   ग) वर्षा ऋतु में मौसम आर्द्र रहता है तो ग्रीष्म में _____ ।
   घ) हिंदी वर्णमाला में ह्रस्व एवं _____ दोनों प्रकार के वर्ण होते हैं।
   ङ) विज्ञान मनुष्य के लिए कभी _____ बन जाता है तो कभी अभिशाप ।
2) निम्न शब्दों के विलोम लिखें ।
   सामिष, कुविचार, स्तुति, अथ, उन्नति, मौखिक

पाठ : खेल

3) छात्र पाठ में दिए गए शब्दार्थ को अपनी कापी में लिखेंगे ।
4) निम्न प्रश्नों के उत्तर दें ।
   क) 'खेल' कहानी के माध्यम से किस शाश्वत सत्य को बताया गया है?

   उत्तर : बाल मनोविज्ञान पर आधारित कहानी 'खेल' जीवन की गूढ़ बातें समझाती है। कहानी में इस शाश्वत सत्य को उजागर किया गया है कि जीवन में कुछ भी सदा रहने वाला नहीं है लेकिन प्रेम तथा निर्माण करने की आकांक्षा शाश्वत है।

   ख) बालक और बालिका कहां और क्या खेल खेल रहे थे?

   उत्तर: बालक और बालिका गंगा के निर्जन बालू तट पर संसार को भूलकर बालू और पानी से भाड़ बनाने का खेल खेल रहे थे।

   ग) मनोहर किस काम में व्यस्त था?

   उत्तर: मनोहर सुरबाला के रोष और अनुग्रह जैसे विचारों से अनभिज्ञ पानी से हिल हिल कर खेल रहा था।

   घ) बालिका मनोहर के बारे में क्या सोचती है?

   उत्तर : बालिका मनोहर के बारे में सोचती है कि वह कुटिया के बाहर खड़ा-खड़ा भाड़ में पत्ते झोंकेगा । जब वह हार जाएगा तो उसे अंदर ले लेगी। मनोहर अच्छा है, पर दंगाई बहुत है। अब वह दंगा करेगा तो उसे तो वह उसे कुटी में साझी नहीं करेगी। वह उससे शर्त करवा कर ही साझी करेगी। भाड़ की गरम छत पर वह मनोहर को खड़ा नहीं रखेगी। यदि अंदर आना चाहेगा तो वह बाहर निकल जाएगी। ज्यादा कहेगा तो वह उसे धक्का दे देगी यह सब सोचकर बालिका खिलखिला कर हंस पड़ती है।

   ङ) बालिका ने यह किस प्रकार सुनिश्चित किया कि अब भाड़ पूरी तरह से तैयार है?

उत्तर :जब भाड़ बनकर तैयार हो गया तो बालिका ने एक-दो पक्के हाथ भाड़ पर लगाकर देखा। ऐसा करने पर जब भाड़ नहीं टूटा तब उसने धीरे से अपना पैर भाड़ के नीचे से खींच लिया। पैर हटाने पर भी जब भाड़ नहीं टूटा तो वह निश्चित हो गई कि भाड़ पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है।

च) सुरबाला ने मनोहर से बदला किस प्रकार लिया?

उत्तर :अपनी स्वर्ग-सी मनोरम रचना को इस तरह तोड़ दिए जाने पर सुरबाला व्यथित होकर मूक खड़ी रह जाती है। मनोहर उसे इस तरह खड़ा देखकर व्याकुल हो उठता है और उसे मनाने के लिए बहुत प्रयत्न करता है परंतु सुरबाला बिल्कुल नहीं हिलती। कुछ देर बाद सुरबाला मनोहर से कहती है- 'हमारा भाड़ क्यों तोड़ा? हमारा भाड़ बना कर दो।' यह सुनकर मनोहर बोलता है- 'लो अभी लो।' सुरबाला अपने निर्देशन में वैसा ही भाड़ मनोहर से बनवाती हैं और पूरा भाड़ बन जाने पर उसे लात मार कर तोड़ देती है इस प्रकार वह मनोहर से बदला लेती है।

छ) सुरबाला और मनोहर के स्वभाव की विशेषताओं को भरते हुए उनका चरित्र चित्रण कीजिए।

उत्तर :खेल कहानी बाल मनोविज्ञान पर आधारित है इस कहानी में दो पात्र हैं- मनोहर एवं सुरबाला। बच्चों में रूठना, मनाना, गुस्सा हो जाना, बदले की भावना, मनाने पर मान जाना ये सभी गुण पाए जाते हैं।

मनोहर के स्वभाव की विशेषताएं- मनोहर उद्दंड और विवेकहीन है। इसलिए वह सुरबाला के मनोभावों को ना समझ कर पल भर में उसके द्वारा बनाए गए भाड़ को लात मारकर तोड़ देता है। साथ ही सुरबाला द्वारा रूठे जाने पर उसे मनाता है और उसकी इच्छानुसार भाड़ भी बनाता है। सुरबाला द्वारा भाड़ तोड़े जाने पर उसकी खुशी में वह खुश भी होता है।

सुरबाला के स्वभाव की विशेषताएं - सुरबाला में नारी सुलभ रचनात्मक गुण है इसलिए वह बड़े प्रयास से भाड़ बनाती है और मनोहर को भी अपने साथ रखने को तैयार होती है साथ ही उसमें बदले की भावना भी है इसलिए मनोहर से भाड़ बनवा कर अंत में उससे बदला लेने के लिए तोड़ भी देती है।